

## बिहार का प्राचीन इतिहास: पाषाण काल से मौर्य पूर्व राजवंश तक

### पाषाण युग स्थल

- पुरापाषाणी स्थलों (पेलियोलिथिक साइट्स) की खोज मुंगेर और नालंदा से की गई है।
- मध्यपाषाण स्थलों (मेसोलिथिक साइट्स) की खोज हजारीबाग, रांची, सिंहभूम तथा संथल परगना (सभी झारखंड में) से की गई है।
- नव पाषाण (निओलिथिक) (2500 - 1500 ईसा पूर्व) कलाकृतियों की खोज चिरांद (सरण) और चेचर (वैशाली) से की गई है।
- चिरांद (सरण), चेचर (वैशाली), चंपा (भागलपुर) तथा तारदीह (गया) से ताम्रपाषाण युग की कुछ वस्तुएं प्राप्त हुई हैं।

### महाजनपद

- वैदिक युग में बाद में कई छोटे राज्यों का उदय हुआ। 16 साम्राज्यों तथा गणराज्यों को महाजनपद के रूप में जाना जाता है, जो भारत - गंगा मैदानों में फैले हुए हैं। वे निम्नानुसार हैं:

- |                   |            |
|-------------------|------------|
| 1. कासी           | 2. कम्बोज  |
| 3. कोसाला         | 4. गांधार  |
| 5. अंग            | 6. अवंती   |
| 7. मगध            | 8. अस्साका |
| 9. वज्जि (वृज्जि) | 10. सुरसेन |
| 11. मल्ला         | 12. मत्स्य |
| 13. चेदि          | 14. पांचाल |
| 15. वत्स (वामसा)  | 16. कुरु   |

- तीन महाजनपद नामतः मगध, अंग तथा वज्जि बिहार में थे।

### अंग राज्य

- इसका उल्लेख पहली बार अथर्ववेद में किया गया है।
- वर्तमान में इसमें खगरिया, भागलपुर तथा मुंगेर शामिल हैं।
- यह मगध साम्राज्य के उत्तर-पूर्व में स्थित था।
- चंपा (वर्तमान में भागलपुर) राजधानी थी।
  - इसे राजा महागोविंद द्वारा स्थापित किया गया था।
  - इसे चेनांपो (हयून त्सांग द्वारा) तथा मालिनी भी कहा जाता था।

### वज्जि राज्य

- इसमें आठ वंश निहित थे।
- सबसे महत्वपूर्ण वंश लिखावी, विदेहा तथा जनानिका थे।
- यह उत्तर भारत में स्थित था।
- वज्जि की राजधानी वैशाली में स्थित थी।
- इसे विश्व का पहला गणतंत्र माना जाता था।

### लिखावी वंश

- यह वज्जि संधि में सबसे शक्तिशाली वंश था।
- यह गंगा तथा नेपाल के उत्तरी तटों पर स्थित था।
- इसकी राजधानी वैशाली में स्थित थी।
- भगवान महावीर का जन्म कुंदाग्राम, वैशाली में हुआ था। उनकी माता लिखावी की राजकुमारी थीं (राजा चेतक की बहन)।
- उन्हें बाद में हरयंका वंश के अजातशत्रु द्वारा मगध साम्राज्य में शामिल कर लिया गया था।
- बाद में गुप्त सम्राट चंद्रगुप्त ने लिखावी की राजकुमारी कुमारादेवी से विवाह कर लिया।

### जनानिका वंश

- भगवान महावीर इस वंश से संबंधित थे। उनके पिता इस वंश के प्रमुख थे।

### विदेह वंश

- इसका उल्लेख पहली बार यजुर्वेद में किया गया है।
- इस राज्य की शुरुआत इश्कावाकु के पुत्र निमी विदेह द्वारा की गई थी।
- मिथिजनक विदेह ने मिथिला की स्थापना की।

- राजा जनक की पुत्री देवी सीता इस वंश से संबंधित थीं।
- जनकपुर (अब नेपाल में) इस राज्य की राजधानी थी।

### मगध राज्य

- इसका उल्लेख पहली बार अथर्ववेद में किया गया है।
- यह उत्तर में गंगा से दक्षिण में विंध्यास तक, पूर्व में चंपा से पश्चिम में सोन नदी तक विस्तारित है।
- इसकी राजधानी गिरीवृज या राजगीर थी जो पांच पहाड़ों द्वारा सभी ओर से पहाड़ों से घिरी हुई थी।
- बाद में राजधानी को पाटलीपुत्र स्थानांतरित कर दिया गया था।
- मगध राज्य में कोशल, वत्स तथा अवंती शामिल थे।
- इसने बौद्ध धर्म तथा जैन धर्म के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।
- भारत के दो महान साम्राज्यों अर्थात् मौर्य और गुप्त का उदय मगध में हुआ।

### मगध साम्राज्य से मौर्य पूर्व राजवंश

#### बृहधृत राजवंश

- बृहधृत को पहले मगध के राजा के रूप में जाना जाता था। वह चेदि के कुरु राजा वासु के बड़े पुत्र थे।
- उनके नाम का उल्लेख ऋग्वेद में किया गया है।
- बृहधृत का पुत्र जरासंध सबसे प्रसिद्ध राजा था।
- गिरीवृज (राजगीर) जरासंध के अधीन एक राजधानी थी।
- प्रोदयोता राजवंश मगध में बृहधृत राजवंश के उत्तराधिकारी थे।

#### हरयंका राजवंश - 544 ईसा पूर्व से 492 ईसा पूर्व

#### बिम्बिसार

- इन्होंने राजवंश की स्थापना की। यह बुद्ध के समकालीन थे।
- इन्होंने अपनी राजधानी राजगीर में स्थापित की।
- इन्होंने अपने साम्राज्य का विस्तार वैवाहिक संबंधों के माध्यम से किया था जिसका उदाहरण कोशल राज्य है।

- वह स्थायी बलों / सेना बनाने के लिए इतिहास में पहला शासक भी था।
- इन्होंने अवंती के राजा चंद्रप्रद्योता और उनके लंबे समय तक प्रतिद्वंद्वी के उपचार हेतु शाही चिकित्सक जिवाका को उज्जैन भेजा, जो बाद में मित्र बन गए।

### अजातशत्रु

- इन्होंने अपने पिता बिंबिसार को अगला शासक बनने के लिए मार दिया।
- भगवान बुद्ध ने महापरिनिर्वाण प्राप्त किया और भगवान महावीर ने भी अपने शासनकाल के दौरान मोक्ष प्राप्त किया।
- पहली बौद्ध परिषद (483 ईसा पूर्व) राजगीर में इनके संरक्षण के तहत आयोजित की गई थी।

### उदायिन

- इसने भी अगला शासक बनने के लिए अपने पिता अजातशत्रु को मार दिया।
- इसने गंगा और सोन नदियों के संगम पर पाटलीपुत्र शहर की स्थापना की और इसे अपनी राजधानी बनाया।

### शिशुनाग राजवंश - 412 ईसा पूर्व से 344 ईसा पूर्व

#### शिशुनाग

- यह राजवंश के संस्थापक थे। यह बनारस के वायसराय थे।
- इस समय के दौरान मगध की दो राजधानियां अर्थात् राजगीर और वैशाली थीं।
- आखिरकार इन्होंने अवंती के प्रतिरोध को समाप्त करके 100 वर्ष की प्रतिद्वंद्विता को खत्म कर दिया।

#### कालाशोक

- इन्होंने अपनी राजधानी को पाटलीपुत्र स्थानांतरित किया और यह आगे मगध साम्राज्य की राजधानी के रूप में जारी रहा।
- वैशाली में दूसरी बौद्ध परिषद (383 ईसा पूर्व) का आयोजन इनके संरक्षण के तहत किया गया था।

### नंद राजवंश - 344 ईसा पूर्व से 321 ईसा पूर्व

- महापदमानंद ने अंतिम शिशुनाग शासक नंदीवर्धन की हत्या के बाद राजवंश की स्थापना की।
- इन्हें महापदमापति एक अनंत मेजबान या विशाल संपत्ति के स्वामी के रूप में भी बताया गया था।
- महाबोधिंवाम्स में, इन्हें उग्रसेन कहा जाता था।
- धनानंद इस वंश के अंतिम शासक थे और अलेक्जेंडर के समकालीन थे।

byjusexamprep.com